ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-६१
दिनांक- शुक्रवार, १६ अगस्त, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.7 एवं 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 70 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 5.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.0 एवं दोपहर में 38.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नहीं हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(20–24 अगस्त, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 20–24 अगस्त, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते हैं। अगले 12–24 घंटो में उत्तर बिहार के जिलों कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। उसके बाद के अवधि में आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 10–12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिषत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की 25–30 दिनों की फसल में प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। अगात धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट 5.0 किलोग्राम तथा 2.5 किलोग्राम बुझा चूना का 500 लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। पिछात रोपी गई धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- मक्का की खड़ी फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। बचाव के लिए कार्बोफ्यूरान (3 जी) का 7 किलोग्राम/हे0 की दर से पौधें के गाभा में डालें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये। पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए 40 प्रतिशत छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।
- उचॉस जमीन में 25 अगस्त के बाद सितम्बर अरहर की बुआई कर सकते है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। अरहर की पूसा–9 तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंषित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी–छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई 2 मीटर एवं लम्बाई 3 से 5 मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवष्य बनावें। पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें।
- उचॉस जमीन में फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई समाप्त करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे उथली क्यारियों मे पंक्तियों में गिराये। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए 40 प्रतिशत छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।
- परवल की राजेन्द्र परवल–1, राजेन्द्र परवल–2, एफ0पी0–1, एफ0पी0–3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई0आई0भी0आर0–1 आदि किस्मों की रोपनी करें। बीज दर 2500 गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 2X2 मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट 3 से 5 किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली 250 ग्राम, एस0एस0पी0 100 ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाष 25 ग्राम एवं थिमेट 10 से 15 ग्राम का व्यवहार करें।
- दुधारू पशुओं के बाड़े को सूखा रखे। मक्खी एवं किलनी से बचाव के लिए अमीत्राज दवा (2 एम0एल0 2 लीटर पानी में) को पशुओं के शरीर पर लगाए एवं साथ ही बाड़े में छिड़काव करें। सभी पशुओं को उचित कृमिनाशक दवा पिलाए। पशुओं को धूप एवं गर्मी में चराई में नहीं भेजें। चारा–दाना सुबह में एवं देर शाम में दें जब गर्मी कम हो। अगर पशुओं को खुरपका मुहपका और गलघोटू रोगों का टीका नहीं लगवाए हो तों जरूर से लगवाए। प्रत्येक वयस्क पशु को 50 ग्राम नमक एवं 50 ग्राम खनिज मिश्रण प्रतिदिन दें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.9 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी